भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 557
गुरुवार, 28 नवंबर, 2024/7 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए कृषि उड़ान योजना

557. श्री प्रद्युत बोरदोलोईः

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में कृषि उड़ान योजना के अंतर्गत राज्य-वार कितने हवाई अड्डे शामिल हैं;

(ख) योजना शुरू होने के बाद से पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्रत्येक हवाई अड्डे से लाभार्थियों की संख्या का ब्यौरा क्या है और इस क्षेत्र में इस योजना के अंतर्गत कितनी लैंडिंग, पार्किंग, टर्मिनल नेविगेशनल लैंडिंग चार्ज (टीएनएलसी) और रूट नेविगेशन सुविधा शुल्क (आरएनएफसी) माफ किए गए हैं;

(ग) बागडोगरा और गुवाहाटी हवाई अड्डों में प्रस्तावित एयरसाइड और ट्रांस-शिपमेंट अवसंरचना की स्थिति क्या है तथा उनके पूरा होने की समय-सीमा और अब तक हुई भौतिक प्रगति का ब्यौरा क्या है; और

(घ) कृषि उड़ान 2.0 के अंतर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी हवाई अड्डों के लिए हब-एंड-स्पोक मॉडल और फ्रेट ग्रिड विकसित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
<u>नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)</u>

(क): पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में कृषि उड़ान योजना के अंतर्गत शामिल हवाईअड्डों की सूची अनुलग्नक में संलग्न है।

(ख) से (घ): कृषि उड़ान योजना एक अभिसरण योजना है, जिसके तहत आठ मंत्रालय/विभाग अर्थात् नागर विमानन मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मत्स्य पालन विभाग, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग, जनजातीय कार्य मंत्रालय, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय कृषि उपज के परिवहन के लिए लॉजिस्टिक्स को सशक्त करने हेतु अपनी मौजूदा योजनाओं का लाभ उठाएंगे। हवाई परिवहन द्वारा कृषि उत्पादों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने और प्रोत्साहित करने के लिए, एएआई और रक्षा मंत्रालय द्वारा उनके चयनित कृषि उड़ान हवाईअड्डों पर भारतीय मालवाहकों और पी2सी (यात्री-से-कार्गो) विमानों के लिए लैंडिंग शुल्क, पार्किंग शुल्क आदि में छूट प्रदान की जाती है।

इस योजना का उद्देश्य देश के विशेष रूप से पूर्वोत्तर, पहाड़ी और जनजातीय क्षेत्रों से उत्पन्न होने वाली सभी कृषि उपजों के लिए निर्बाध, लागत प्रभावी, समयबद्ध, हवाई परिवहन और संबद्ध लॉजिस्टिक्स सुनिश्चित करना है, ताकि उनकी मूल्य प्राप्ति में सुधार हो सके। देश में सभी शीघ्र खराब होने वाली वस्तुएं कृषि उड़ान योजना के अंतर्गत आती हैं, जिनमें बागवानी, मत्स्य पालन, पशुधन और प्रसंस्कृत उत्पाद शामिल हैं।

एएआई कार्गो लॉजिस्टिक्स एंड एलाइड सर्विसेज (एएआईसीएलएएस) (एएआई की 100% स्वामित्व वाली सहायक कंपनी), गुवाहाटी हवाईअड्डे पर समर्पित घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय एयर कार्गो परिचालन प्रचालित कर रही है। गुवाहाटी हवाईअड्डे पर एयरसाइड, लैंडिंग, पार्किंग आदि से संबंधित आवश्यक अवसंरचना सुविधाएं उपलब्ध हैं।

बागडोगरा हवाईअड्डा एक सिविल एन्क्लेव (रक्षा हवाईअड्डा) है और हवाई क्षेत्र में सीमित भूमि उपलब्ध है। वर्तमान में, ट्रांस-शिपमेंट परिचालन शहर की ओर उपलब्ध अवसंरचना के माध्यम से किया जा रहा है। एएआईसीएलएएस ने सिलीगुड़ी जलपाईगुड़ी विकास प्राधिकरण (एसजेडीए) के मौजूदा पेरिशेबल कार्गो केंद्र (सीपीसी) भवन को रूपांतरण करके बागडोगरा हवाईअड्डे पर नई घरेलू कार्गो सुविधा स्थापित की है, जिसकी क्षमता लगभग 31,500 मीट्रिक टन से अधिक है, जो बागडोगरा हवाईअड्डे की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

******

अनुलग्नक

पूर्वोत्तर क्षेत्र में कृषि उड़ान 2.0 योजना के अंतर्गत आने वाले हवाई अड्डों की राज्यवार सूची

राज्य	हवाईअड्डा
अरुणाचल प्रदेश	1. तेजु
असम	2. डिब्रूगढ़
	3. जोरहाट
	4. लीलाबारी
	5. रूपसी
	6. सिलचर
मणिपुर	7. इम्फाल
मेघालय	8. शिलांग
मिजोरम	9. लेंगपुई
नगालैंड	10. दीमापुर
सिक्किम	11. पाक्योंग
त्रिपुरा	12. अगरतला

*****